आकाशवाणी
क्षेत्रीय समाचार एकांश
देहरादून (उत्तराखण्ड)
शनिवार 15.11.2025
समय 1830

मुख्य समाचार :–

- देश की प्रगति में जनजातीय समुदाय के योगदान के सम्मान में आज राष्ट्र जनजातीय गौरव दिवस मना रहा है।
- गुजरात के नर्मदा में आयोजित मुख्य समारोह को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा– आदिवासी कल्याण भाजपा की सर्वोच्च प्राथमिकता रही है।
- मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उत्तराखंड को साहित्यिक चेतना और सांस्कृतिक समृद्धि के नए शिखर पर ले जाने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई।
- खेल मंत्री रेखा आर्या ने लोगों से आह्वान किया कि वे अपनी दिनचर्या में योग को शामिल करें, ताकि समाज स्वस्थ और सशक्त बने।
- और.... भूकम्प जनित आपदाओं से निपटने की तैयारियों को परखने के लिए आज प्रदेश के 80 से ज्यादा स्थानों पर मॉक अभ्यास किया गया।

पीएम/भगवान बिरसा मुंडा

देश की प्रगति में जनजातीय समुदाय के योगदान के सम्मान में आज राष्ट्र जनजातीय गौरव दिवस मना रहा है। भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के अवसर मुख्य कार्यक्रम का आयोजन गुजरात के नर्मदा ज़िले में आयोजित किया गया। समारोह को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि आदिवासी कल्याण भाजपा की सर्वोच्च प्राथमिकता रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार का लक्ष्य आदिवासियों के साथ हो रहे अन्याय को समाप्त करना और उन तक विकास का लाभ पहुँचाना है।
श्री मोदी ने कहा कि 2014 से पहले भगवान बिरसा मुंडा को केवल आस–पास के कुछ गाँवों तक ही याद किया जाता था। उन्होंने कहा कि केंद्र में उनकी सरकार आने के बाद इस स्थिति को बदला गया, क्योंकि आने वाली पीढ़ियों के लिए यह जानना आवश्यक है कि आदिवासी भाइयों–बहनों ने देश की आज़ादी के लिए कितना अद्भुत योगदान दिया है।

अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने कहा कि धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान से 60 हज़ार से अधिक गाँवों के जुड़ने के बाद अब वहाँ पाइप से पानी, टेलीमेडिसिन और अन्य आवश्यक सेवाएँ उपलब्ध हो रही हैं। श्री मोदी ने कहा कि यह अभियान ग्राम सभाओं को स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि और आजीविका के क्षेत्र में समुदाय–आधारित विकास को बढ़ावा देने के लिए सशक्त बनाता है।

राजभवन

देहरादून स्थित राजभवन में जनजातीय गौरव दिवस और झारखण्ड का राज्य स्थापना दिवस मनाया गया। इस अवसर पर भगवान बिरसा मुंडा जी के राष्ट्र के लिए असाधारण योगदान और उनके अदम्य साहस को श्रद्धापूर्वक स्मरण किया गया। इस अवसर पर राज्यपाल गुरमीत सिंह ने जनजाति कल्याण विभाग द्वारा तैयार की गई पुस्तक ''आदि कर्मयोगी अभियान'' का विमोचन किया। भगवान बिरसा मुंडा जी के अद्वितीय संघर्ष और साहस को स्मरण करते हुए राज्यपाल ने कहा कि वे देश के जनजातीय समाज के साहस, स्वाभिमान और अधिकारों के प्रतीक हैं। राज्यपाल ने जनजातीय समुदायों के उत्थान, शिक्षा, रोजगार और सांस्कृतिक संरक्षण के लिए सामूहिक प्रयासों पर जोर देते हुए कहा कि उनका ज्ञान, साहस और जीवन–दर्शन भारत की समृद्धि और एकता की महत्वपूर्ण धरोहर है।

जनजातीय गौरव दिवस

प्रदेश में भी भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के अवसर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गये। इसी क्रम में पोड़ी जिले के श्रीनगर स्थित हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल केंद्रीय विश्वविद्यालय में एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। राजनीति विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. एमएम सेमवाल ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा ने भारतीय स्वतंत्रता संग्राम को नई चेतना और नई दिशा प्रदान की। उनके संघर्ष ने देश के विभिन्न जनजातीय आंदोलनों को मार्गदर्शन दिया। प्रोफेसर सेमवाल ने बताया कि उत्तरकाशी के प्रसिद्ध रवाई आंदोलन में भी बिरसा मुंडा के विचारों और संघर्ष की छाप स्पष्ट रूप से दिखाई देती है।

साहित्य महोत्सव

प्रदेश सरकार उत्तराखंड को साहित्यिक चेतना और सांस्कृतिक समृद्धि के नए शिखर पर ले जाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आज देहरादून में आयोजित साहित्य महोत्सव में 'लीडिंग लेडीज ऑफ इंडिया' पुस्तक के विमोचन अवसर पर यह बात कही। उन्होंने कहा कि उत्कृष्ट साहित्यकारों को उत्तराखंड साहित्य गौरव सम्मान प्रदान करने के साथ ही विभिन्न भाषाओं में ग्रंथ प्रकाशन के लिए वित्तीय सहायता योजना के अंतर्गत अनुदान भी दिया जा रहा है। साथ ही, युवा पीढ़ी में साहित्यिक रुचि बढ़ाने और उनके सृजनात्मक कौशल को प्रोत्साहित करने के लिए समय–समय पर विविध प्रतियोगिताएँ, कार्यशालाएँ और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

इस अवसर पर उन्होंने आशा व्यक्त की कि लीडिंग लेडीज ऑफ इण्डिया पुस्तक महिलाओं को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेगी।

शांति योग धाम

खेल मंत्री रेखा आर्या ने लोगों से आह्वान किया कि वे अपनी दिनचर्या में योग को शामिल करें ताकि समाज स्वस्थ और सशक्त बने। आज हल्द्वानी के ऊंचा पुल, अमृत आश्रम क्षेत्र में आयोजित 'शांति योग धाम' प्रतियोगिता का शुभारंभ करते हुए खेल मंत्री ने कहा कि योग अब भारत की सांस्कृतिक धरोहर के साथ ही विश्व का स्वास्थ्य संदेश बन चुका है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा योग को अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाने के बाद आज योग का सूर्य एशिया से लेकर अफ्रीका, यूरोप और अमेरिका तक दीदिप्तिमान हो रहा है।

श्रीमती आर्या ने कहा कि 38वें राष्ट्रीय खेलों में पहली बार योगासन को एक खेल स्पर्धा के रूप में शामिल कराना उत्तराखंड और देश के लिए गर्व की बात है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आने वाले समय में ओलंपिक जैसी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भी योगासन एक खेल विधा के रूप में सम्मिलित होगा।

उन्होंने दैनिक जीवन में व्यायाम के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि योग और रोग दोनों विलोम अर्थ वाले शब्द हैं। इसलिए फिट इंडिया और फिट उत्तराखंड अभियान की आधारशिला भी योग ही है।

उत्तरकाशी

राज्य स्तरीय भूकम्प और भूकम्प जनित आपदाओं से निपटने की तैयारियों को परखने के लिए आज प्रदेश के 80 से ज्यादा स्थानों पर व्यापक स्तर पर मॉक ड्रिल हुई। अभ्यास के दौरान सुबह 9 बजकर 45 मिनट पर भूकम्प के तेज झटके महसूस होने की परिकल्पना की गई, जिसकी तीव्रता रिएक्टर पैमाने पर 6 दशमलव 2 दर्ज की गई।

उत्तरकाशी जिले में घटना की सूचना मिलते ही जिलाधिकारी प्रशान्त आर्य ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आईआरएस प्रणाली को सक्रिय करने के निर्देश दिए। इसी क्रम में जिले के सात स्थानों पर भूकम्प मॉक अभ्यास किया गया।

उधर, उत्तराखंड राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के तत्वावधान में चम्पावत जिले के 8 स्थानों मॉक ड्रिल का सफल आयोजन किया गया।

एसडीआरएफ

उत्तर प्रदेश के गाज़ियाबाद स्थित एनडीआरएफ की 8वीं बटालियन में आयोजित राष्ट्रीय स्तर की सीबीआरएन प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए 'एसडीआरएफ उत्तराखंड' को दूसरा स्थान प्राप्त हुआ है। एसडीआरएफ की इस उपलब्धि पर केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने टीम को ट्रॉफी और 75 हजार रुपये की पुरस्कार धनराशि प्रदान की।

राज्य के पुलिस महानिदेशक दीपम सेठ ने एसडीआरएफ टीम को इस उपलब्धि पर बधाई देते हुए कहा कि टीम ने राष्ट्रीय स्तरीय मंच पर अपने कौशल और क्षमता का शानदार प्रदर्शन किया है, जो पूरे उत्तराखंड पुलिस परिवार के लिए गर्व का विषय है।

बछेंद्री पाल

माउंट एवरेस्ट का सफलतापूर्वक आरोहण करने वाली प्रथम भारतीय महिला और पद्मश्री से अलंकृत बछेंद्री पाल ने आज मुख्यमंत्री राहत कोष के लिए 10 लाख रुपये का चेक प्रदान किया। यह चेक उनकी ओर से राज्य महिला उद्यमिता परिषद की उपाध्यक्ष विनोद उनियाल ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को सौंपा।

मुख्यमंत्री ने बछेंद्री पाल के इस सामाजिक योगदान के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संकट की घड़ी में सहयोग और सेवा की भावना ही समाज को जोड़ती है। उन्होंने कहा कि ऐसे योगदान न केवल ज़रूरतमंदों की मदद करते हैं, बल्कि जनहित के कार्यों के प्रति अन्य लोगों को प्रेरित भी करते हैं।

हाई–स्पीड रेल कॉरिडोर

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मुंबई–अहमदाबाद हाई–स्पीड रेल कॉरिडोर की प्रगति की समीक्षा के लिए गुजरात के सूरत में निर्माणाधीन बुलेट ट्रेन स्टेशन का आज दौरा किया। इस दौरान श्री मोदी ने अधिकारियों से बातचीत की और कार्यों की समीक्षा की। भारत की सबसे महत्वाकांक्षी बुनियादी ढाँचा परियोजनाओं में से एक यह रेल कॉरीडोर लगभग 508 किलोमीटर लंबा है। यह कॉरिडोर साबरमती, अहमदाबाद, आणंद, वडोदरा, भरूच, सूरत, बिलिमोरा, वापी, बोईसर, विरार, ठाणे और मुंबई सहित प्रमुख शहरों को जोड़ेगा।

अब तक 326 किलोमीटर दूरी के पुलों का काम पूरा हो चुका है और 25 में से 17 नदी पुलों का निर्माण हो चुका है।